CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 10 | बुधवार | 3 मार्च 2021 ₹1

बर्न आउट से बचना है जरूरी

PAGE 03

सक्सेज मंत्रा

ई-कॉमर्स एक ऐसा बिजनेस क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न स्किल्स वाली टीम की जरुरत होती है...

PAGE 10

एजुकेशन

उत्पादन प्रबंधन में उत्पादन अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न प्रबंधनों का अध्ययन होता है...

VISIT…

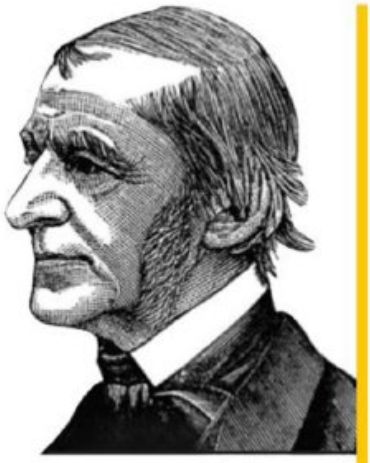

मैं हर कदम पर हारा हूं, लेकिन जन्मा केवल जीत के लिए हूं।
- इमर्सन

कामयाबी की तरफ ऐसे बढ़ाएं पहला कदम

आमतौर पर हममें से अधिकांश को यह समझ नहीं आता है कि अपने उद्देश्य की प्राप्ति की ओर पहला कदम कैसे बढ़ाया जाए? किसी कार्य को प्रारंभ करने के लिए पहला कदम बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में सबसे पहले व्यक्ति को अपने उद्देश्य और उसे पाने के तरीके को लेकर एक खाका तैयार कर लेना चाहिए। इस दौरान उसे अपनी शक्तियों, कमजोरियों, अवसरों और संभावित बाधाओं पर भी भली-भांति विचार कर लेना चाहिए। इसके बाद आपको पता चल जाएगा कि अगर आप अपने लक्ष्य की ओर नहीं बढ़ पा रहे हैं, तो इसकी चार वजहें हो सकती हैं। या तो उदासीनता आपकी आदत में शामिल हो या, उद्देश्य प्राप्ति के लिए जरूरी संसाधन आपके हाथों में नहीं हैं या, उस उद्देश्य को पाने की कीमत चुकाने में आप असमर्थ हों या, आपको खुद अपने उद्देश्य की समझ नहीं है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इन वजहों को दूर करने के लिए आपकी कार्य योजना क्या होनी चाहिए। इस समाधान के लिए आप भरोसेमंद मित्रों से बातचीत कर सकते हैं। बातचीत के साथ अच्छी बात यह होती है कि अगर इसकी दिशा सकारात्मक हो, तो यह व्यक्ति को हमेशा कुछ नया देती है। इस तरह से कोई न कोई आसान समाधान निकल ही जाता है। मित्रों से बातचीत के दौरान ऐसा भी हो जाता है कि मस्तिष्क कामयाबी के लिए पहले से ज्यादा बेहतर विकल्प चुनने में स्वयं को सक्षम पाता है।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

ई-कॉमर्स टीम बनाते वक्त रखें सावधानी

ई-कॉमर्स ऐसा क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न स्किल्स वाली टीम को कई बार धीमी ग्रोथ और विफलताओं का सामना पड़ता है...

शशि कांत सिंह
कॉरपोरेट कम्युनिकेशन हेड, ब्लुआई

आज के समय में दुनिया भर में उन्हीं देशों का बोलबाला है, जो कि आर्थिक रूप से सक्षम एवं सुदृढ़ हैं। इसके लिए डिजिटल युग में ई-कॉमर्स कंपनियों का बहुत बड़ा महत्व है। ई-कॉमर्स कंपनियां आज बहुआयामी विस्तार लिए हुए हैं।

ई-कॉमर्स कंपनी को सफल बनाने में मार्केटर्स, सोर्सिंग टीम, वेयरहाउसिंग टीम, कैटेगिरी मैनेजर्स, डाटा एनालिस्ट्स, अकाउंटेंट्स आदि कई लोगों की जरुरत होती है। ई-कॉमर्स वर्तमान समय में एक ऐसा बिजनेस क्षेत्र है जिसमें विभिन्न स्किल्स वाली टीम की जरुरत होती है जिसका नतीजा उन्हें धीमी ग्रोथ, नुकसान और कई बार विफल बिजनेस के रुप में भुगतना पड़ता है। जानिए आपको ई-कॉमर्स टीम चुनते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए-

एक्सपर्ट द्वारा टेक्निकल राउंड के बिना हायरिंग

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि बिजनेस कोई भी हो, वह अपनी सही टीम की वजह से सफल होता है और यदि इस मामले में आप गलत हायरिंग निर्णय लेते हैं, तो यही गलत निर्णय आपके बिजनेस के विफल होने की वजह भी बन सकता है। हो सकता है कि नौकरी के लिए आए शख्स की टेक्नीकल स्किल्स परखने के लिए आपके पास सही स्किल्स न हों।

टीम में सही लोगों की अहमियत

ऐसे में आपको खुद ही यह काम नहीं करना चाहिए नहीं तो आप गलत लोगों को हायर कर सकते हैं। इसके लिए आपको कंसल्टेंट्स की मदद लेनी चाहिए, जो आपके लिए टेक्निकल इंटरव्यू ले सकें और सही लोगों को टीम में शामिल कर सकें। टीम में सही लोग होंगे, तो आपकी कंपनी भी कामयाबी की ओर सही दिशा में आगे बढ़ सकेगी।

ऑल-राउंडर्स हायर करना

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में यह सही है कि हर कंपनी ऑल-राउंडर्स को हायर करना चाहती है, लेकिन ऐसा शायद ही कोई अकेला शख्स मिलेगा, जो ऐड्स, एस.ई.ओ, सोशल मीडीया, कंटेंट मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग सब में माहिर हो। हो सकता है कि किसी को यह सब काम आते हों, लेकिन अगर आप सफलता चाहते हैं, तो आपको ऐसे लोग हायर करने होंगे, जो अपना काम बेहतर तरीके से पूरा कर सकने में कुशल हों और आपकी कंपनी को कामयाबी के पायदन तक पहुंचा सकें।

काम में स्पेशलाइजेशन वाले लोगों का है विशेष महत्व

यह सही है कि हर कंपनी ऑल-राउंडर्स को हायर करना चाहती है, लेकिन ऐसा शायद ही कोई अकेला शख्स मिले, जो ऐड्स, एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टीमाइजेशन), सोशल मीडिया, कंटेंट मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग सब में माहिर हो। हो सकता है कि किसी को यह सब काम आते हों, लेकिन अगर आप सफलता चाहते हैं तो आपको ऐसे लोग हायर करने चाहिए जो स्पेशलाइज्ड हों। स्पेशलाइज्ड लोग आपकी टीम में ज्यादा फोकस होकर अपना काम करते हैं। और उनका फोकस काम के प्रति होता है। उन्हें टीम के साथ-साथ कंपनी के नफा-नुकसान के बारे में ज्यादा स्पष्ट तौर पर पता होता है। इस तरह से पूरी की पूरी स्पेशलाइज्ड टीम का एक ही दिशा में फोकस होने पर संबंधित काम को करने में निपुणता और उत्पादकता बढ़ती है। इस तरह से देखा जाए, तो ई-कॉमर्स टीम में कुशल और विशेषज्ञों की जरूरत होती है, जो अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा कर सकते है और कंपनी को सफल बना सकते हैं।

आज हम जिसे बर्नआउट के रूप में जानते हैं, उसकी परिभाषा जर्मन दार्शनिक हबर्ट फ्रुडेंबर्ग ने दी थी। उनके अनुसार बर्नआउट तब होता है, जब हमारे भावों में धीरे-धीरे कमी आने लगती है....

बर्नआउट

बदलती जीवन शैली का परिणाम

डॉ. राजेश कुमार
निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा - पूर्व)

क्या आपको लगता है कि आपका किसी काम में मन नहीं लग रहा? क्या आपको बहुत अधिक निराशा का अनुभव हो रहा है? क्या आपको लगता है कि अब आप किसी काम के नहीं रह गए? क्या आप अपना ख्याल नहीं रख रहे? क्या आप बहुत ज्यादा चिड़चिड़े हो गए हैं? अगर आपके साथ बहुत लंबे समय से यह सब हो रहा है, और खत्म होने का नाम नहीं ले रहा, तो हो सकता है कि आप बर्नआउट के शिकार हों। आइए, आज समझने की कोशिश करते हैं कि बर्नआउट क्या है, इसका पता हम कैसे लगा सकते हैं, और क्या इससे बाहर निकलने के कोई उपाय हैं?

बर्नआउट क्या है

जिन लोगों ने खामोशी फिल्म देखी है, वे बर्नआउट को अच्छी तरह समझ सकते हैं। इसमें डॉक्टर रोगी का इलाज करते-करते भावनात्मक रूप से इतना पस्त हो जाती है कि वह खुद ही रोगी हो जाती है। आज हम जिसे बर्नआउट के रूप में जानते हैं, उसकी पहचान और परिभाषा 1974 में जर्मन दार्शनिक हबर्ट फ्रुडेंबर्ग ने की थी। उनसे पहले बर्नआउट को दिमाग पर नशीली दवाओं के प्रभाव के रूप में देखा जाता था। फ्रुडेंबर्ग के अनुसार बर्नआउट तब होता है, जब हमारे भावों में धीरे-धीरे कमी आने लगती है, हमारा मोटिवेशन या अभिप्रेरणा कम होने लगती है, और काम के प्रति हमारी प्रतिबद्धता घट जाती है। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अनुसार अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा हर साल कार्य- स्थलों पर तनाव से संबंधित स्वास्थ्य देखभाल के लिए 125 से 190 बिलियन डॉलर खर्च करती है। हिंदी में बर्नआउट के लिए अक्रियाशील जैसे शब्द प्रयोग किए जाते हैं। बर्नआउट को ठीक से समझने के लिए आप अपनी ऊर्जा को दिये की लौ के रूप में देखें। अगर आप इस लौ को बिना भरपाई किए, उसमें कोई तेल डाले बिना, बहुत लंबे समय तक खींचने की कोशिश करते हैं, तो एक समय ऐसा आएगा जब यह समाप्त हो जाएगी, बुझ जाएगी चुक जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अब काम से संबंधित बर्नआउट को पेशे-संबंधी परिघटना के रूप में मानता है। उसके अनुसार अगर रोगी में 3 लक्षण हों, तो डॉक्टर उसका कार्य संबंधी बर्नआउट का निदान कर सकता है। ये लक्षण हैं- ऊर्जा में कमी होना या थकान होना, काम से मानसिक रूप से दूर होना या बेरुखी होना, और काम को सफलतापूर्वक करने में समस्याएं होना।

पहचान का तरीका

लीटर और अन्य लोगों द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार भावात्मक बर्नआउट को नकारात्मक मनोवैज्ञानिक स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है, जो शारीरिक, व्यवहार संबंधी, और संज्ञानपरक लक्षणों के द्वारा प्रकट हो सकती है। इससे सामान्य कामकाज में बाधा आती है और गंभीर हताशा का दौर शुरू हो सकता है। आप चाहे जो भी काम करें, और चाहे उसे जिस भी तरह से करें, जीवन में तनाव आना सामान्य बात है। हम सभी समय-समय पर इस तनाव से जूझते हैं। लेकिन जब यह तनाव बहुत ज्यादा हो जाता है, और इसे संभालना मुश्किल हो जाता है, तो यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालने लगता है, तो यह बर्नआउट हो

बर्नआउट से बाहर कैसे निकलें

बर्नआउट से बाहर निकलना आसान नहीं है, लेकिन इसका सकारात्मक पहलू यह है कि बर्नआउट अचानक नहीं होता, बल्कि यह लंबे समय में होता है। इसका अर्थ है कि अगर आप अपने प्रति जागरूक रहें, अपनी आदतों पर नज़र रखें, अपने व्यवहार में परिवर्तन पर ध्यान दें, तो आपको पता चल सकता है कि आप कब बर्नआउट की तरफ बढ़ रहे हैं। बर्नआउट की समस्या का कारण पहचान कर, आप इसका हल करना शुरू कर सकते हैं। यह बहुत आवश्यक है कि आप अपनी इस समस्या को पहचानें, इसे नज़रअंदाज़ न करें, इस पर अपने परिवार और मित्रों के साथ बात करें, और अगर समस्या बढ़ गई है, तो विशेषज्ञ से सलाह लेने में भी संकोच न करें। हमें समझना चाहिए कि चाहे हम काम पर हो या पढ़ाई में, हमारे कुछ स्वास्थ्यकारी लक्ष्य हो सकते हैं और कुछ लक्ष्य स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि हम जीवन के सभी पक्षों को बराबर महत्व दें और खुद का ध्यान रखें।

सकता है। ऐसे सात लक्षण बताए गए हैं, जिनसे पता लग सकता है कि हम भावनात्मक रूप से बर्नआउट हो गए हैं या नहीं।

पहला लक्षण, आप लगातार पस्त रहते हैं। यह ऐसी स्थिति होती है, जब हम न ठीक से आराम कर पाते हैं, और न ही किसी तरह के पेय पदार्थ आदि से हमें मदद मिलती है। हम बस हमेशा पस्त रहते हैं।

दूसरा लक्षण, हम अपना ख्याल नहीं रखते। जब आपके खाने और सोने की व्यवस्था बिगड़ जाती है, तो यह आपके काम और मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है।

तीसरा लक्षण, हमारा काम का प्रदर्शन या निष्पादन घटने लगता है।

चौथा लक्षण है हम बहुत ज़्यादा चिड़चिड़े हो जाते हैं। इन सब का मतलब यही होता है कि आपका दिमाग मदद के लिए गुहार लगा रहा है।

पांचवां लक्षण, आप ज़्यादातर समय गिरी हुई मनोदशा में रहते हैं।

छठा लक्षण, हमारा सामाजिक जीवन बिगड़ने लगता है। जब हम भावनात्मक रूप से चुके हुए होते हैं, तो हमारे पास अपने प्रिय लोगों के साथ समय बिताने के लिए ऊर्जा और इच्छा नहीं होती। आप अनजाने और बिना चाहे ही अपने परिवार, और मित्रों आदि से दूर होने लगते हैं, आप अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना बंद कर देते हैं, जिनमें आपका जीवन-साथी, भाई-बहन, और दोस्त शामिल हैं।

बर्नआउट का सातवां और अहम लक्षण

सातवें लक्षण में आपको कहीं कोई आशा दिखाई नहीं देती। बर्नआउट की स्थिति के साथ-साथ आपमें दूरी, निराशा, खालीपन, और अलगाव की भावनाएं आती रहती हैं। आपका सारा समय इन्हीं चीज़ों में उलझकर रह जाता है, और आप न तो खुद पर ध्यान दे पाते हैं, न अपने काम पर, और न ही अपने प्रियजनों पर। आपको उन चीज़ों में अब कोई रुचि नहीं रह जाती, जो आपको अपने जीवन के लिए सार्थक नज़र आती थीं। अब आपको किसी भी चीज़ में आनंद नहीं आता, क्योंकि आपको लगता है कि आप चाहे कुछ भी करें, उसका कोई परिणाम नहीं होगा। इस भावना के कारण आपकी कोई भी काम करने की इच्छा नहीं होती, और आप हार मान लेते हैं, घुटने टेक देते हैं, हथियार डाल देते हैं। हमारी आज की संस्कृति में, जिसमें उपलब्धि, सफलता, और गतिविधियों का महत्व सबसे ऊपर है, वहां इन चीज़ों को मूल्य न देने के कारण हमें लगता है कि हम किसी काम के नहीं रहते।

पैरामेडिकल साइंस के कोर्स मेडिकल फील्ड में उपलब्ध अवसरों को अपने नाम करने की काबिलियत प्रदान करते हैं...

चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ है पैरामेडिकल साइंस

पैरा मेडिकल साइंस, मेडिकल साइंस की एक अहम शाखा के रूप में अपनी जगह बना चुकी है। कैंसर, टीबी, एड्स, हैपेटाइटिस जैसी खतरनाक बीमारियां पूरे विश्व में लाखों लोगों की सेहत को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में चिकित्सा से जुड़ी सेवाओं की बड़े स्तर पर मांग की जा रही है, जहां पैरामेडिकल साइंस कोर्स मेडिकल फील्ड में उपलब्ध इन अवसरों को अपने नाम करने की काबिलियत प्रदान करते हैं। पैरा मेडिकल सर्विसेज किसी भी हेल्थकेयर इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं। हेल्थकेयर इंडस्ट्री में हो रहे विस्तार ने प्रशिक्षित पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स यानी पैरामेडिक के लिए नौकरियों के कई अवसर खोल दिए हैं। पैरा मेडिकल साइंस में मुख्य रूप से फिजियोथेरेपी, फार्मेसी, रेडियोग्राफी, मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजी, नर्सिंग, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, डेंटल हाइजीन डेंटल मेकैनिक्स, ऑप्टोमेट्री जैसे कई फील्ड शामिल हैं और इसी सिलसिले में अब कई जॉब ओरिएंटेड डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज शुरू किए जा चुके हैं। दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की प्रिंसिपल डॉ. अरुणा सिंह के मुताबिक अगले 5 वर्षों में 22 प्रतिशत तक हेल्थकेयर मैनेजमेंट में रोजगार बढ़ने की संभावनाएं हैं।

एनएसडीसी का सर्वेक्षण

एनएसडीसी के मुताबिक 2022 तक भारतीय हेल्थकेयर सेक्टर में 74 लाख वर्कफोर्स की जरूरत होगी। ग्रेजुएट से लेकर एमबीबीएस, बी फार्मा व स्पेशलाइज्ड डिग्री इन पैरामेडिकल साइंस होल्डर्स के लिए आने वाले सालों में यहां अच्छे मौके होंगे।

उल्लेखनीय है कि अलग -अलग मेडिकल सर्विसेज में 11 लाख एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स जैसे नर्सिंग एसोसिएट्स, मेडिकल असिस्टेंट्स, मेडिकल इक्विपमेंट ऑपरेटर्स, फिजियोथेरेपिस्ट, डायटीशियन व डेंटल असिस्टेंट्स शामिल हैं। ये भी वर्तमान जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि इस सेक्टर में बड़ी संख्या में पेशेवरों की मांग है।

पैरामेडिकल के हॉट सेक्टर

ऐसे तो इस फील्ड में कई ऐसे सेक्टर्स है जिसमे जिसमे युवा खासा करियर बना सकते हैं पर कुछ सेक्टर्स ऐसे भी हैं जो इस क्षेत्र में हॉट सेक्टर्स माने जाते हैं जैसे रेडियोग्राफी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, फिजियोथेरेपी, ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट, फार्मेसी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, तथा नर्सिंग जिनकी डिमांड देश ही नही विदेशों में भी खूब है।

देश भर में हेल्थकेयर की स्थिति

अभी देश में करीब 20,000 सरकारी अस्पताल हैं। इसके अलावा 5400 करोड़ डॉलर के प्राइवेट हॉस्पिटल मार्केट ने इसे मजबूत सेग्मेंट बनाया है। हालांकि स्किल्ड प्रोफेशनल्स की कमी एक बड़ी समस्या है। भारत में प्रति 1700 लोगों पर एक डॉक्टर है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक यह अनुपात 1:1000 है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली www.dpmiindia.com
- महर्षि मर्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा www.mmumullana.org
- शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ www.shivalikinstitute.org

आसमान छू भी लो तो ज़मीन को मत भूलना

सुधांशु राय
कहानीकार

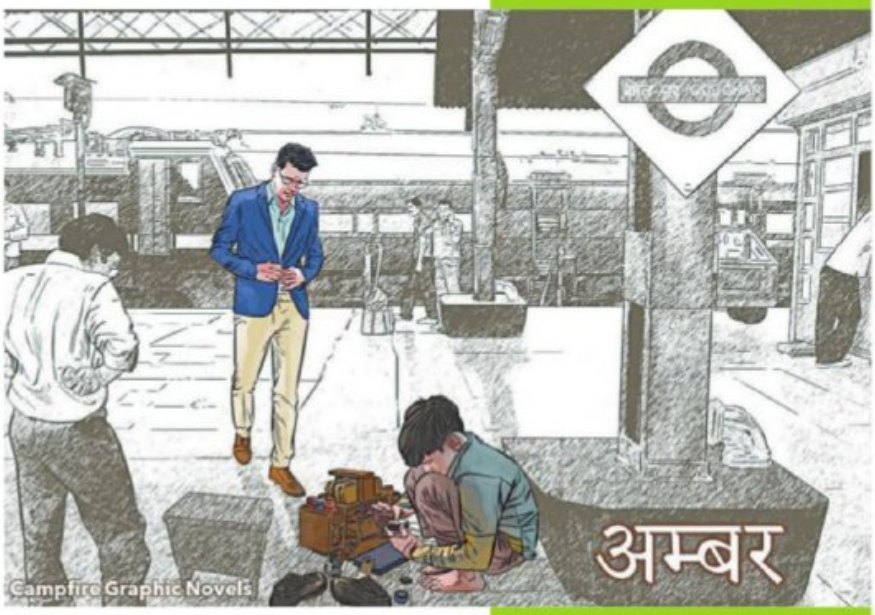

यह कहानी एक छोटे से रेलवे स्टेशन, गोल घर, से शुरू होती है। एक दिन जब एक ट्रेन उस स्टेशन पर आ कर रुकी और धुएं की पव छटी तो ट्रेन के मद्य से एक अभिनेताओं जैसा आकर्षक युवक प्लेटफार्म पर आ उतरा। उसको देख मानो स्टेशन पर खड़े सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। लोगों का हुजूम अम्बर को ऐसे एकटक देख ही रहा था कि वह तुरंत अपना बैग लिए प्लेटफार्म के बाहर निकल गया। बाहर तीन बड़ी गाड़ियां उसका इंतज़ार कर रही थी, ड्राइवर, गाड्र्स और नौकरों ने उसको देख तुरंत उसका बैग ले लिया और अम्बर उनको अपना बैग दे वापस स्टेशन के अंदर आ गया। उन्मुक्त क़दमों से बढ़ते अम्बर के कदम दूसरे छोर पर स्थित एक जूता पॉलिश करने वाले के पास जा कर रुक गए ! जैसे ही अम्बर वहां पहुंचा उसने वहां बैठे 'छोटे मोची' से पूछा, "तुम ही अमृत मोची हो? मतलब यहां लिखा हुआ है इसलिए बोला।" "जी", बिना देखे छोटे से अमृत ने कहा और फिर से अपने हाथ में लिया जूता मजबूती से चमकाने में लग गया। जब अम्बर ने उसे अपना जूता पॉलिश करने के लिए कहा, तो अमृत ने कहा, "जी हां क्यों नहीं, आपको अब तक पता तो चल ही गया होगा मैं इस प्लेटफार्म का सितारा हूं। एक बार जो मुझसे अपने जूते पॉलिश करा लेता है, वह बार-बार आता है।"

अम्बर बैठते हुए बड़े ध्यान से छोटे अमृत को देखने लगा। तभी अमृत ने अपना सर उठाया और कुछ कहने लगा ही था कि अनायास उसके मुंह से निकला, "ओह्ह तेरी, अरे आप तो हीरो जैसे लगते हो। वाह क्या बात है,आप एक्टर हो क्या?और आपका सूट बहुत महंगा होगा ना? ये जूते भी तो विलायती लगते हैं। मैं भी आपकी तरह एक्टर बनना चाहता हूं। पर छोड़ो, देखो मैं न कहता था एक दिन बड़े नेता अभिनेता सब मेरे पास आएंगे मेरी कारीगरी ही कुछ ऐसी है।"

रौब से कहते हुए अमृत ने अम्बर से जूता बढ़ाने के लिए कहा। अम्बर ने मुस्कुराते हुए अपना जूता अमृत की ओर बढ़ा दिया। अमृत ने ऊर्जा दिखाते हुए अमृत का जूता पॉलिश करना शुरू कर दिया।

"वैसे यहां पहले सांगवान की एक पटरी होती थी," अम्बर के पूछने पर अमृत ने आश्चर्य से उसे देखकर कहा , "जी हां, दो साल पहले टूट गई तो हटा दी, आपको कैसे पता?" उसकी बात को काटते हुए अम्बर ने कहा, "और यहां एक बक्सा भी होता था जिस पर अलग अलग रंग के जूते रखे होते थे।" अमृत ने फिर गंभीरता से कहा, "हां पर आपको इतना कुछ कैसे पता? आपको तो मैं यहां पहली बार देख रहा हूं और इस स्टेशन पे तो मुझे आप कभी नहीं दिखाई दिए। आप यहां से पहले भी जूता पॉलिश करा चुके हैं क्या?"

अम्बर ने तुरंत अगला सवाल भी कर दिया, "और रवि कहां है? उनकी जगह तुम क्यों बैठे हो?" इतना सुनते ही अमृत की आंखें उदास हो गयी और उसने कहा, "वो अब यहां कम आते हैं, उनकी तबियत ठीक नहीं रहती इसलिए मैं (उनका बेटा) जूते पॉलिश करता।"

अभी अम्बर कुछ कहने को हुआ ही था कि सामने रवि को खड़ा पाया। रवि अम्बर की ओर बढ़ा और उसे ज़ोर से एक चांटा जड़ दिया।

इस कहानी से हमें ये सीख मिलती है कि हम चाहे कितनी भी तरक्की और शोहरत पा लें , हमें उनको कभी नहीं भूलना चाहिए जो हमारी मुफलिसी में हमारे साथ थे।

अब तेरी जिंदगी पॉलिश करनी है

पूरा स्टेशन मानो इस चाटे की आवाज़ में सुन्न पड़ गया। यह दृश्य देख सभी भौचक्के रह गए। आखिर एक जूते पॉलिश करने वाले की इतनी जुर्रत की इतने बड़े आदमी को ऐसे सरे आम चांटा जड़ दिया। अम्बर के गाड्र्स और नौकर अभी रवि की ओर लपके ही थे कि अम्बर ने भीगी नम आखों से कहा, "दूर रहो मेरे दोस्त से।" रवि की खाली आंखें आज बादलों का रूप ले बरस पड़ी, उसका अम्बर जो आया था। रवि ने तुरंत अम्बर को गले से लगा कहा, "तू क्यों चला गया था?" अम्बर ने कहा "लोगों के जूते चमकाते कुछ पल अपने चमकाने चला गया था दोस्त"। दोनों भीगी आंखों से मुस्कुराते हुए छोटे मोची को देखने लगे। अमृत ने तुरंत पूछा "तो क्या आप भी जूते पॉलिश करते थे?" अम्बर ने रवि का हाथ थाम कहा, "दोस्त अब तेरी ज़िन्दगी पॉलिश करनी है।"

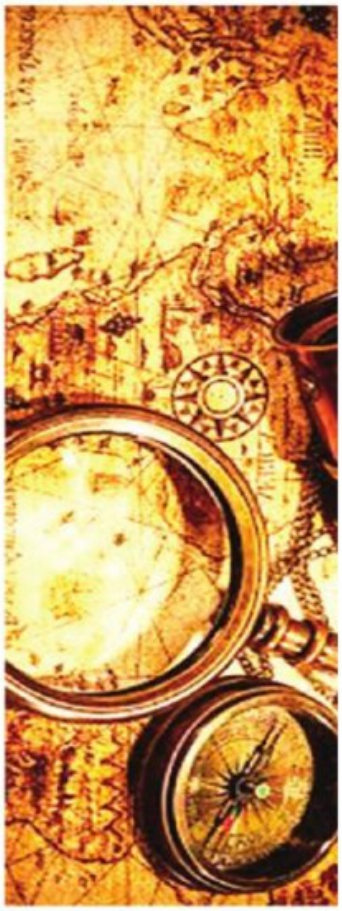

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन अधिनियम ने मौलिक अधिकारों की सूची में से संपत्ति के अधिकार को हटाया था? (MP PSC Exam 2019)

(a) 37वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1975

(b) 38वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1975

(c) 44वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1978

(d) 42वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1976

जवाब: (c) 44वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1978

व्याख्या: संपत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधिक अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद-31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद- 300(A) के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार भले ही संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं रहा इसके बावजूद भी राज्य किसी व्यक्ति को उसकी निजी संपत्ति से उचित प्रक्रिया और विधि के अधिकार का पालन करके ही वंचित कर सकता है।

भारत में 'दल विहीन प्रजातंत्र' किसने प्रस्तावित किया था? (MP PSC Exam 2019)

(a) एस. ए. डांगे

(b) राममनोहर लोहिया

(c) महात्मा गांधी

(d) जयप्रकाश नारायण

जवाब: (d) जयप्रकाश नारायण

व्याख्या: भारत में दल विहीन प्रजातंत्र का प्रस्ताव जय प्रकाश नारायण (1902-1979 ई.) ने प्रस्तावित रखा था। जयप्रकाश नारायण एक स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, राजनेता और आधुनिक भारत के अग्रगण्य विचारक थे। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र की आलोचना को अपनी दल-विहीन प्रजातन्त्र की अवधारणा का आधार बनाया। उनका विचार था कि आधुनिक लोकतन्त्र में दलीय व्यवस्था इतनी प्रभावी हो गई है कि लोकतन्त्र दलतंत्र बन गया है। यह दलतंत्र राजनीतिक भ्रष्टाचार को फैलाता है और लोगों में फूट डालता है। जयप्रकाश नारायण ने ही सत्तर के दशक में सम्पूर्ण क्रांति का नारा दिया था।

कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम का सम्बंध किस खेल से है? (MP PSC Exam 2019)

(a) वॉलीबॉल

(b) क्रिकेट

(c) हॉकी

(d) एथलैटिक्स

जवाब : (b) क्रिकेट

व्याख्या : कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थित एक क्रिकेट स्टेडियम है। स्टेडियम ने अब तक कुल 12 एकदिवसीय इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी की है, पहला मैच यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच 22 जनवरी 1988 को खेला गया था। यह स्टेडियम सन् 1978 में बना था। सचिन ने यहीं पर वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक लगाया था। यह मूल रूप से एक हॉकी स्टेडियम था जिसका नाम महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी रूप सिंह के नाम पर रखा गया था। रूप सिंह प्रसिद्ध भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते थे। उनके सम्मान में इस स्टेडियम का नाम रखा गया। क्योंकि वह ग्वालियर में जन्मे थे तो इसलिए इसलिए ग्वालियर में बने इस स्टेडियम का नाम उनके नाम पर रखा गया। वह हॉकी के सबसे महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के छोटे भाई थे।

भारत की प्रथम महिला मुख्य निर्वाचन आयुक्त कौन थीं?(MP PSC Exam 2019)

(a) आर. एम निकम

(b) एस. के बेदी

(c) वी.एस. रमादेवी

(d) जी. डी. दास

जवाब : C,वी.एस. रमा देवी

व्याख्या: भारत की प्रथम महिला मुख्य चुनाव आयुक्त वी एस रमादेवी थी। उनका कार्यकाल 26 नवंबर 1990 से 11 दिसंबर 1990 की अल्पावधि तक रहा था। वो 26 जुलाई 1997 से 1 दिसंबर 1999 तक हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल रही और 2 दिसंबर 1999 से 20 अगस्त 2002 तक कर्नाटक की राज्यपाल भी रहीं। भारत का मुख्य निर्वाचन अधिकारी अपनी शक्ति संविधान के अनुच्छेद 324 से प्राप्त करता है और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों को

संपन्न कराने का दायित्व निभाता है।

मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी की स्थापना कब हुई थी? (MP PSC Exam 2019)
(a) 2017
(b) 2012
(c) 2007
(d) 2009
जवाब: (c) 2007
व्याख्या: मध्य प्रदेश के खेल तथा युवा कल्याण मंत्रालय के अधीन इस अकादमी की स्थापना 2007 में की गई थी, यह खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण तथा सुविधा प्रदान करती है।

कौन सा प्रदूषक नॉक-नी- सिंड्रोम के लिए ज़िम्मेदार है? (MP PSC Exam 2019)
(a) फ्लोराइड
(b) पारा
(c) आर्सेनिक
(d) कैडमियम
जवाब: फ्लोराइड
व्याख्या: नॉक-नी का मतलब होता है कि आपके घुटने अंदर की तरफ हो जाना। फ्लोराइडयुक्त जल का दीर्घकालीन सेवन करना सेहत के लिये बेहद खतरनाक व हानिकारक होता है। इससे जनित फ्लोरोसिस बीमारी से शरीर के लगभग सभी अंग दुष्प्रभावित होते हैं लेकिन दांत व हड्डियां सबसे पहले विकृत एवं क्षति ग्रस्त होती है। दांतों पर काले-भूरे धब्बे या धारियां व बाक़ी-टेढ़ी हड्डियों का होना इस फ्लोरोसिस के आंखों से दिखाई देने वाले प्रमुख लक्षण होते हैं। इसके दुष्प्रभाव से ज्यादातर लोगों के पैरों की हड्डियां धनुषाकार (जेनू-वेल्गम) हो जाती है, इसे ही नॉक-नी कहते हैं। जिसमें पीड़ित लोगों के पैरों के घुटनों की हड्डियां आपस में टकराती-छूती हुई व पांव बाहर की ओर मुड़े हुए होते भी देखी जाती हैं।

गौतम बुद्ध ने धम्मचक्क पवत्तन का उपदेश कहां दिया था? (Uttar Pradesh Junior Assistant Exam 2019)
(a) सारनाथ
(b) लुम्बिनी
(c) गया
(d) कपिलवस्तु
जवाब: (a) सारनाथ
व्याख्या: महात्मा बुद्ध द्वारा ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ में पांच ब्राह्मणों को प्रथम उपदेश दिया गया था, जिसे धर्म चक्र प्रवर्तन के नाम से जाना जाता है। ये पांच अनुयायी आगे इस संदेश के प्रचारक बने और इस तरह बौद्ध धर्म का प्रचार होने लगा। चक्र की आठ तीलियां आष्टांगिक मार्ग का प्रतीक हैं, तो चक्र शाश्वत परिवर्तन का।

किस वाशिंगटन पोस्ट स्तंभकार को इस्तांबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में मार डाला गया था? (Uttar Pradesh Junior Assistant Exam 2019)
(a) डेनियल पर्ल
(b) खलील माइन
(c) जमाल खाशोगी
(d) चार्ल्स लेन
जवाब: C, जमाल खाशोगी
व्याख्या: पत्रकार जमाल खाशोगी कभी सऊदी अरब के शाही परिवार के करीबी थे जो बाद में अति रूढ़िवादी सरकार के मुखर आलोचक बन गए और अंततः इस्तांबुल के वाणिज्य दूतावास के भीतर उनकी हत्या कर दी गई। वाशिंगटन पोस्ट समाचारपत्र के लिए लिखे अपने अंतिम स्तंभ में खाशोगी ने संभवतः पश्चिम एशिया में अभिव्यक्ति की अधिक स्वतंत्रता के लिए आग्रह किया। यह पत्रकार सऊदी अरब के शक्तिशाली शहजादे मोहम्मद बिन सलमान से मतभेद होने के बाद 2017 में स्व-निर्वासन में अमेरिका चला गया था। युवा पत्रकार के तौर पर खशोगी ने कई बार बिन लादेन का साक्षात्कार लिया जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों का ध्यान खींचा।

निम्नलिखित में से कौन सी उत्तर प्रदेश की दो राजभाषाओं में से एक है? (Uttar Pradesh Junior Assistant Exam 2019)
(a) उर्दू
(b) अवधी
(c) बुंदेली
(d) बघेली
जवाब: (a) उर्दू
व्याख्या: भारत के संविधान में अनुच्छेद 345 से लेकर 347 तक में राज्यों की राजभाषाओं के संबंध में वर्णन मिलता है। संविधान में किए गए प्रावधान के अनुसार राज्य अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषाओं पर विचार कर राज्य की राजभाषाओं के बारे में निर्णय ले सकता है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने 1951 में उत्तर प्रदेश ने 1951 में हिंदी को राजभाषा घोषित किया था तथा 1982 में एक अध्यादेश के माध्यम से उर्दू को दूसरी राजभाषा बनाया गया तथा 1989 में इसे अधिनियमित किया गया।

-संकलनकर्ता: जितेश जोशी

आईआईटी मद्रास ने की

एंटी-कैंसर ड्रग के विकल्प की खोज

मद्रास के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने एंटी-कैंसर ड्रैग कैंप्टोथेसिन के लिए एक स्थायी और उच्च उपज वाले वैकल्पिक स्रोत की पहचान की है। यह अनोखा माइक्रोबियल फर्मेंटेशन प्रोसेस बड़े पैमाने पर बाजार की मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन का एक आर्थिक रूप से कामयाब तरीका हो सकता है। टोपोटेकन और इरिनोटेकन दो ज्यादातर इस्तेमाल की जाने वाली एंटी-कैंसर ड्रग्स हैं, जो कैम्पटोथेसिन को एक मुख्य अंश के रूप में उपयोग करके बनायीं जाती हैं।

कैम्पटोथेसिन एक अल्कालॉयड है जिसे चीनी पेड़ कैम्पटोथेकैमिनुमैटा और भारतीय पेड़ नोथापोडीट्स निमोनीना से लिया जाता है। केवल एक टन कैम्पटोथेसिन निकालने के लिए लगभग 1,000 टन प्लांट मटेरियल की आवश्यकता होती है। बाजार की मांग को पूरा करने के लिए अत्यधिक उपज के कारण ये दोनों प्लांट अब खतरे में हैं। एन. निमोनीना की आबादी में पिछले दशक में अकेले 20% से अधिक की गिरावट देखी गई है। IIT मद्रास की जैवप्रौद्योगिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता श्रीवास्तव के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने मांग को पूरा करने और प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण के लिए कैम्प्टोथेसिन के उत्पादन का एक वैकल्पिक तरीका विकसित किया है। इसके लिए, उन्होंने एक माइक्रोबियल फर्मेंटेशन प्रोसेस विकसित किया है।

प्रिय पाठकों...
उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां कॅरिअर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे asktoudaan@amaru-jala.com पर संपर्क कर सकते हैं।
- धन्यवाद।

उत्पादन प्रबंधन में हैं अपार संभावनाएं

उत्पादन प्रबंधन उत्पादन अर्थव्यवस्थाओं, सुविधाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, इन्वेंट्री नियंत्रण, कार्य अध्ययन और कार्य नियंत्रण से संबंधित है....

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

उत्पादन वह प्रक्रिया है जिसमे भौतिक संसाधनों का उपयोग करके कच्चे माल को तैयार माल में परिवर्तन किया जाता है। रूपांतरण हेतु अनेक प्रक्रियाएं हैं जैसे कि वेल्डिंग, फोर्जिंग, मशीनिंग, मोल्डिंग, असेंबली, आदि। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, विनिर्माण मशीनरी के डाउनटाइम को कम करके, संसाधनों के बेहतर उपयोग द्वारा, श्रमिकों को प्रक्षिषत करके और अपशिष्ट को कम करके उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। प्रभावी उत्पादन प्रबंधक होने के लिए उत्पादन के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले उपकरणों के उपयोग, कच्चे माल की लागत, श्रम की लागत, निर्माण प्रक्रियाओं की लागत, मशीनरी की लागत, आदि का गहन ज्ञान होना आवश्यक है।

उत्पादन उद्योगों को कई समूहों में वर्गीकृत किया गया है जैसे कि प्राथमिक माल उद्योग (उदाहरण के लिए पेट्रोल), पूंजीगत वस्तु उद्योग (उदाहरण के लिए वाहन, कपड़ा मशीनरी), मध्यवर्ती माल उद्योग (जैसे सूती धागा, अखबारी कागज)। उत्पादन प्रबंधन का उपयोग फिल्मों और वीडियो बनाने के लिए भी किया जाता है।

प्रौद्योगिकी में प्रगति की वजह से आज विनिर्माण विधियों की संख्या 110 से अधिक है। जैसे- एजाइल निर्माण, बायोनिक विनिर्माण प्रणाली, सेलुलर विनिर्माण, आनुवंशिक निर्माण प्रणाली, समग्र विनिर्माण प्रणाली, मोबाइल एजेंट प्रणाली, आभासी उत्पाद विकास प्रबंधन, डिजाइन और विनिर्माण के लिए आभासी वास्तविकता, इत्यादि। कुछ विधियां तकनीकी प्रकृति की होती हैं, जबकि कुछ संगठनात्मक और वास्तुशिल्प से जुड़ी हुई हैं और अन्य विधियां सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित हैं।

उत्पादन प्रबंधन का दायरा

उत्पाद चयन एवं डिजाइनः संगठन के मिशन एवं समग्र उद्देश्यों के दायरे में सही उत्पादों का चयन किया जाना अनिवार्य है। उत्पाद डिजाइन हेतु वैल्यू इंजीनियरिंग के गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है।

उत्पादन प्रणाली डिजाइनिंग: के लिए उच्च स्तर की तकनीकी विशेषज्ञता की आवशयकता होती है। इसमें विनिर्माण संयंत्र की स्थापना, उत्पादन उपकरण और जिग्स के डिजाइन शामिल है। प्लांट लेआउट और प्लांट का स्थान उत्पादन लागत को कम करने में मदद करते हैं।

उत्पादन विधि का अध्ययन: कार्य-दक्षता को मापने हेतु समय-गति से अध्ययन करते हैं।

शॉप फ्लोर: श्रमिक उत्पादों का उत्पादन शॉप फ्लोर पर करते हैं।

आज के समय में अधिकतम कंपनियों में उत्पादन विभाग शून्य दोषों और शून्य इन्वेंटरी की ओर अग्रसर होने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उत्कृष्ट पुस्तकें

- जेफरी के. लिकर द्वारा लिखित द टोयोटा वे
- पास्कल डेनिस द्वारा लिखित लीन प्रोडक्शन सिम्पलीफ़ायड

प्रमुख संस्थान

- इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट फॉर प्रोडक्शन मैनेजमेंट कांसबाहल (आई सी आई सी आई बैंक, एल एंड टी, सेल और ओडिशा सरकार द्वारा प्रवर्तित)
- इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन ठाणे

अनएकेडमी ने सचिन के साथ मिलकर स्पोर्ट्स लर्निंग श्रेणी में कंटेंट-लेड इंटीग्रेशन विकसित किया है...

अब सचिन लेंगे लाइव इंटरएक्टिव कक्षाएं

देश के सबसे बड़े शिक्षण मंच अनएकेडमी ने दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के साथ रणनीतिक साझेदारी करने का एलान किया। इस साझेदारी का उद्देश्य अनएकेडमी के लर्नर्स को संपूर्ण शिक्षण प्रदान करना है। इस साझेदारी के तहत सचिन तेंदुलकर लाइव इंटरएक्टिव कक्षाओं की एक सीरीज का संचालन करेंगे, जो लर्नर्स के लिए अनएकेडमी के प्लेटफॉर्म पर निशुल्क उपलब्ध होगी। इसके साथ ही अनएकेडमी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन तेंदुलकर की एंट्री हो गई है।

अनएकेडमी ग्रुप के को-फाउंडर और सीईओ गौरव मुंजाल कहते हैं, ''अनएकेडमी में हमने हमेशा ही शिक्षा को सभी लोगों के लिए उपलब्ध

कराने और पारंपरिक तौर-तरीकों से अलग एक संपूर्ण शिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। सचिन का जीवन और उनका अब तक का सफर भी रास्ते की तमाम दुर्गम बाधाओं के बावजूद अपने मजबूत संकल्प के साथ लगातार आगे बढ़ते रहने का प्रतीक है। इस साझेदारी के साथ सचिन अपने जीवन के सबक साझा करेंगे और उन्हें ट्रेनिंग देने का प्रयास करेंगे और इस तरह अनएकेडमी के लर्नर्स के लिए यह सीखने का एक बेजोड़ अनुभव साबित होगा। हम एक गहरी और शिक्षण सामग्री आधारित साझेदारी विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिसके बारे में और अधिक जानकारी आने वाले महीनों में हो सकेगी।''

साझेदारी के एक हिस्से के रूप में अनएकेडमी ने सचिन के साथ मिलकर स्पोर्ट्स लर्निंग श्रेणी में एक प्रभावी कंटेंट-लेड इंटीग्रेशन विकसित किया है, जो अगले कुछ महीनों में सामने होगी।

INITIATIVE

सीईडीपी ने छात्रों के लिए लॉन्च किए स्किल कोर्स

भारत के अग्रणी कौशल विकास संस्थान, काउंसिल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (सीईडीपी) ने 500 योग्य छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने की घोषणा की है। यह पहल देश के वंचित समुदायों के युवाओं को उद्योग जगत के अनुसार प्रासंगिक कौशल पाने में मदद करेगी और उनकी रोजगार क्षमता में सुधार लाएगी। इन पाठ्यक्रमों के तहत

हॉस्पिटेलिटी, एविएशन, ऑटोमोबाइल एवं हेल्थ केयर क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। पाठ्यक्रमों का शुल्क रुपये 15,000 से 6 लाख के बीच है, प्रोग्राम के लॉन्च के तहत इस शुल्क पर पूरी छूट दी जाएगी। छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए उम्मीदवारों को ऑनलाइन एआईसीएसटी (ऑल इंडिया कॅरिअर एण्ड स्कॉलरशिप टेस्ट) प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करना होगा, जो भारत का सबसे बड़ा ऑनलाइन कॅरिअर एंड स्कॉलरशिप टेस्ट है। इस परीक्षा में हिस्सा लेने के लिए उम्मीदवार को 10वीं पास होना जरूरी है और यह ऑनलाइन परीक्षा फरवरी 2021 में होगी। मिस शाहीन खान, संस्थापक एवं सीईओ, सीईडीपी कौशल संस्थान ने कहा,''कोविड-19 के रोजगार पर प्रभावों की चर्चा अक्सर की जाती रही है। एक शिक्षाविद होने के नाते, मेरा मानना है कि युवाओं को कौशल प्रदान करने हेतु तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें बदलते परिवेश के अनुसार बेहतर तैयार किया जा सके। यह परीक्षा ऑनलाइन है, इसलिए देशभर से छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अन्तर्गत अपेक्षित **'अमर उजाला उड़ान'** नोएडा के प्रकाशन के सम्बंध में सूचना।

प्रपत्र-4

1.	प्रकाशन स्थान	:	नोएडा (यू.पी.)
2.	प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3.	मुद्रक का नाम	:	वीरेन्द्र सिंह पठानिया वास्ते अमर उजाला लिमिटेड
	क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	xxxxxx
	पता-	:	7 क 18, जवाहर नगर, जयपुर।
4.	प्रकाशक का नाम	:	वीरेन्द्र सिंह पठानिया वास्ते अमर उजाला लिमिटेड
	क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	xxxxxxxx
	पता -	:	7 क 18, जवाहर नगर, जयपुर।
5.	संपादक का नाम	:	देव प्रकाश चौधरी
	क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	xxxxxxxx
	पता-	:	एस.एफ.-4, प्लॉट नं.3, सेक्टर-1, वैशाली गाजियाबाद
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों, तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	अमर उजाला लिमिटेड 1101, 11वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001

मैं वीरेन्द्र सिंह पठानिया एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च, 2021

ह/- वीरेन्द्र सिंह पठानिया
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

पांच राज्यों और एक केंद्र

शासित प्रदेश में चुनाव की घोषणा

पहले चरण का मतदान 27 मार्च को होगा, जबकि चुनावी नतीजे 2 मई को आएंगे....

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा ने 26 फरवरी को कहा कि असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी की कुल 824 विधानसभा सीटों के लिए होने वाले चुनावों में पहले चरण का मतदान 27 मार्च को होगा, जबकि चुनावी नतीजे 2 मई को मतगणना के बाद घोषित किए जाएंगे। आचार संहिता तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रभावी हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा आठ चरणों में मतदान होगा, वहीं असम में तीन चरणों में वोट डाले जाएंगे। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में 6 अप्रैल को मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में पिछली बार सात चरण में मतदान कराया गया था। उन्होंने कहा कि 824 सीटों के लिए 2.7 लाख मतदान केंद्रों पर करीब 18.68 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। करीब 3 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारी इलेक्ट्रॉनिक बैलेट सुविधा के जरिये अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव के दौरान सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जा रही है।

कोरोना 'प्रभाव'

- *नामांकन के लिए प्रत्याशी को केवल दो लोगों को साथ लाने की अनुमति*
- *उम्मीदवार सहित केवल पांच लोग घर-घर जाकर प्रचार कर सकेंगे*
- *नामांकन के लिए ऑनलाइन फीस जमा कराने की सुविधा*
- *चुनाव वाले दिन मतदान का समय एक घंटा बढ़ाया गया है*
- *निर्वाचन अधिकारियों, कर्मचारियों को कोरोना टीके लगाए जाएंगे*
- *कोरोना वायरस के संदिग्ध मरीजों के लिए अलग नियम होंगे*
- *मदद के लिए वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 डायल कर सकते हैं मतदाता*

विधानसभा सीटें व कार्यकाल

पश्चिम बंगाल : *294 सीटें, कार्यकाल 24 मई 2021 तक*
तमिलनाडु : *234 सीटें, कार्यकाल 31 मई 2021 तक*
केरल : *140 सीटें, कार्यकाल 1 जून 2021 तक*
असम : *126 सीटें, कार्यकाल 31 मई 2021 तक*
पुडुचेरी : *30 सीटें, कार्यकाल 8 जून 2012 तक*

कहां कैसे मतदान

पश्चिम बंगाल : *8 चरण, 27 मार्च, 1, 6, 10, 17, 22, 26 और 29 अप्रैल, 101916 मतदान केंद्र*

असम : *3 चरण, 27 मार्च, 1 और 6 अप्रैल, 33,530 मतदान केंद्र*

तमिलनाडु : *एक चरण, 6 अप्रैल, 88,936 मतदान केंद्र*

केरल : *एक चरण, 6 अप्रैल, 40771 मतदान केंद्र*

पुडुचेरी : *एक चरण, 6 अप्रैल, 1559 मतदान केंद्र*

मतदान से पहले चुनाव ड्यूटी वालों को कोरोना टीका

***चुनाव** ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अग्रिम पंक्ति का कर्मी मानते हुए मतदान से पहले कोरोना टीका लगाया जाएगा। हालांकि कोरोना प्रोटोकाल को तब भी प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा।*

WEEKLYDAIRY

24 फरवरी

मोटेरा स्टेडियम को अधिकृत तौर पर खिलाड़ियों को लोकार्पित कर दिया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने स्टेडियम का उद्घाटन किया। इसी दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने स्टेडियम का नाम बदलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखे जाने की भी घोषणा की।

25 फरवरी

केंद्र सरकार ने फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम जैसे ओटीटी प्लेयर का दुरुपयोग रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए। इसके तहत सरकार द्वारा चिह्नित की गई किसी भी सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाना होगा।

26 फरवरी

'मेरे संधि पत्र' से लेकर 'कौन देस को वासी, वेणु की डायरी' लिखने वाली वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूर्यबाला को उप्र हिंदी संस्थान के 2019 के पांच लाख रुपये की राशि वाले भारत भारती सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। उनके अलावा 22 साहित्यकारों को हिंदी संस्थान के विभिन्न पुरस्कार दिए जाएंगे।

खेल

■ करीब एक साल बाद प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स्टार धाविका हिमा दास ने स्वर्ण पदक के साथ वापसी की। हिमा ने नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में आयोजित इंडियन ग्रां प्री 2 में महिलाओं की 200 मीटर रेस 23.31 सेकंड के समय के साथ जीती।

■ पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में दिल्ली के अमोज जैकब (46 सेकंड) व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ चैंपियन बने। वहीं 200 मीटर में अरोकिया राजीव (21.24 सेकंड) ने मोहम्मद अनस याहिया को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता।

■ भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज और दो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यूसुफ पठान ने 26 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया।

■ भारतीय मुक्केबाज दीपक कुमार को बुल्गारिया के सोफिया में 72वें स्ट्रैंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट के फ्लाइवेट (52 भारवर्ग) के फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

■ फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वितेक ने दूसरी वरीयता की बेलिंडा बेंसिस को एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से हराकर कॅरिअर का दूसरा खिताब अपने नाम कर लिया।

नियुक्ति

■ विश्व निकाय के प्रमुख एंतोनियो गुटेरस ने भारतीय अर्थशास्त्री लिगिया नोरोन्हा को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के न्यूयॉर्क कार्यालय में सहायक महासचिव एवं प्रमुख नियुक्त किया है। नोरोन्हा अपने भारतीय सहयोगी एवं अर्थशास्त्री सत्या त्रिपाठी की जगह लेंगी।नोरोन्हा ने 2014 से नैरोबी में यूनएनईपी के आर्थिक विभाग में बतौर निदेशक काम किया है।

■ केंद्र सरकार ने आईपीएस कुलदीप सिंह को सीआरपीएफ महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वहीं यूपी कैडर के 1984 बैच आईपीएस अधिकारी एपी माहेश्वरी को केंद्र सरकार ने उन्हें पुडुचेरी के उपराज्यपाल का सलाहकार नियुक्त किया है।

■ विजय सांपला ने 24 फरवरी को नई दिल्ली में अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष (चेयरमैन) का पदभार ग्रहण किया। विजय सांपला वर्ष 2014-19 के बीच सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

निधन

■ कर्नल श्याम सिंह भाटी का 26 फरवरी, 2021 को निधन हो गया। वे भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में कर्नल भाटी मैनामति की प्रसिद्ध लड़ाई के हीरो थे। उस दौरान मैनामति की लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण मानी गई थी। नौ दिसंबर, 1971 की रात बांग्लादेश में मैनामति की लड़ाई में राजपूताना राइफल्स की टुकड़ी ने मेजर श्याम सिंह भाटी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण कब्जा जमा लिया था।

■ भैतिक विज्ञानी प्रो. जॉन मल्लार्ड (94 वर्ष) का 28 फरवरी, 2021 को निधन हो गया। चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीक MRI (मैगनेटिक रिजॉनेंस इमेजिंग) को विकसित करने वाले प्रो. मल्लार्ड के निधन की जानकारी एबरडीन विश्वविद्यालय ने दी है।

-सौरभ सिंह

विज्ञान

■ भारत ने 2021 के अपने पहले मिशन में ब्राजील के अमेजोनिया-1 समेत 19 सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने में कामयाबी पाई। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से 28 फरवरी की सुबह 10.24 बजे पोलर रॉकेट पीएसएलवी-सी51 उड़ान भरी और 17 मिनट बाद ही अमेजोनिया-1 को अंतरिक्ष की प्राथमिक कक्षा में पहुंचा दिया। करीब डेढ़ घंटे बाद चेन्नई के स्पेस किड्ज इंडिया के सतीश धवन सैट समेत अन्य सैटेलाइट को लॉन्च किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पहली बार ब्राजील के सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजा है। 637 किलो वजनी यह सैटेलाइट अमेजन क्षेत्र में वनों की कटाई की निगरानी और कृषि विश्लेषण के लिए उपभोक्ताओं को रिमोट सेंसिंग डाटा मुहैया कराएगा। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का मुख्यालय बंगलौर में है। इस एजेंसी की स्थापना 15 अगस्त 1969 को की गई थी। इसके मुख्य कार्यों में उपग्रहों, प्रमोचक यानों, परिज्ञापी राकेटों का विकास शामिल है।

WEEKLYDAIRY

27 फरवरी

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारतीय खिलौना मेला 2021 का उद्घाटन किया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

28 फरवरी

दुनिया के प्रतिष्ठित78वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कार समारोह में नोमैडलैंड और बोराट सबसीक्वेंट मूवीफिल्म को सर्वश्रेष्ठमोशन पिक्चर (ड्रामा) घोषित कियागया है। एंड्रा डे को मोशन पिक्चर (ड्रामा) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया है। यह पुरस्कार समारोह वर्चुअल तरीके से आयोजित हुआ है।

01 मार्च

तीन दिवसीय मैरीटाइम इंडिया समिट 2021 की शुरुआत की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने मैरीटाइम इंडिया विजन-2030 नामक ईबुक का विमोचन किया। इसमें समुद्री क्षेत्र के विकास के बारे में जानकारी दी गई है। 2030 तक सरकार ने 23 जलमार्गों के क्रियान्वयन का लक्ष्य रखा है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0548

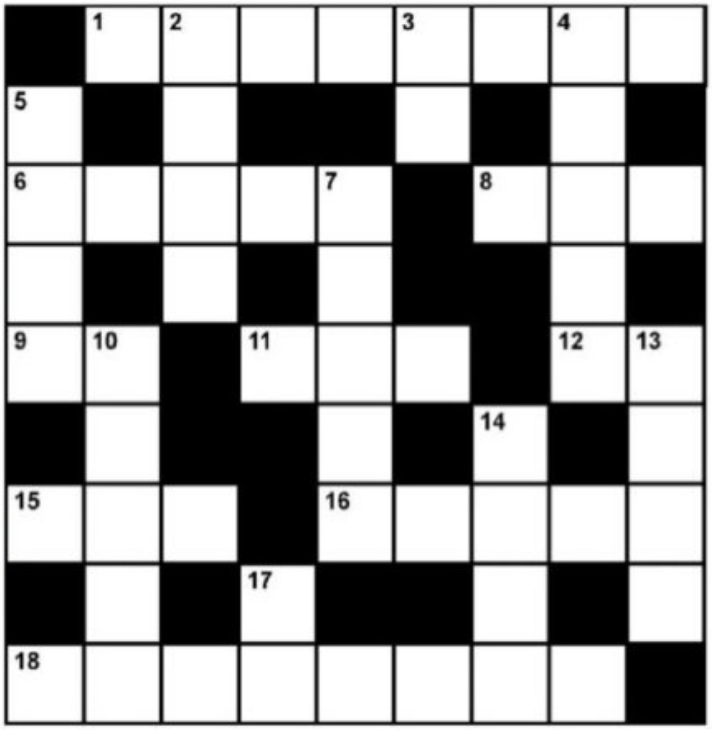

बाएं से दाएं: 9/39

1. 2 मई 1898 को कोल्हापुर में जन्मे इस फिल्मकार का 26 नवंबर 1994 को कोल्हापुर में निधन हो गया; 1924 में आई 'पृथ्वी वल्लभ' के अभिनेता; 1991 में सिनेमा के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित मराठी फिल्मकार (3,5)
6. घटोत्कच; भीम पुत्र; भीमसेन के पुत्र (5)
8. गोवा की राजधानी (3)
9. जिसे भय हुआ हो; डरा हुआ; कायर; डरपोक; गीदड़; श्रृंगाल (2)
11. ज्योतिषी; गणना करने वाला; गणित्र; लेखापाल (3)
12. विभाजन पर बनी बलराज साहनी, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'गर्म ....'; वायु; पवन; समीर (2)
15. पीसने वाला नावनुमा पत्थर का कटोरा; औषधि घोटने का पात्र (3)
16. विष्णु प्रभाकर रचित जीवनी संस्मरण 'मेरे ..... '; सहयात्री; साथ चलने वाला; साथी (5)
18. 1973 में आई निर्माता/निर्देशक राजकुमार कोहली की लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के संगीत से सजी माला सिन्हा, विनोद मेहरा, ओम प्रकाश, अभि भट्टाचार्य, ललिता पवार, विमी, सुलोचना, अरुणा ईरानी, रूपेश कुमार, जगदीप, सुंदर की फिल्म (3,2,2,1)

ऊपर से नीचे: 9/35

2. सीया राम के दुलारे (2,2)
3. पलाश; लंबे चौड़े पत्ते वाला एक वृक्ष; बड़ा ढोल; नगाड़ा (2)
4. 2009 में एटा से लोकसभा के लिए निर्दलीय सदस्य के रूप में निर्वाचित होने वाले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री (3,2)
5. 1976 में आई निर्माता/निर्देशक यश चोपड़ा की खय्याम के संगीत से सजी शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, राखी गुलजार, वहीदा रहमान, ऋषि कपूर, नीतू सिंह, सिमी ग्रेवाल, परीक्षित साहनी, इफ्तेखार, देवेन वर्मा की फिल्म; कभी कभार; यदा कदा (2,2)
7. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री (3,2)
10. रुधिर संबंधी एक रोग; वैद्यक के अनुसार 'प्लीहा' रोग का एक भेद (5)
13. मुख्य रूप से उथले उपतटी समुद्री हिस्सों में निवास करने वाला एक जीव जो ओडोबेनाइडी कुल और ओडोबेनस वंश की एक मात्र जीवित प्रजाति है (4)
14. प्रयोजनीय पदार्थ; वस्तु; सामान; यात्रा का सामान; लाव लश्कर (4)
17. लद्दाख की राजधानी (2)

– हरीश चन्द्र सन्सी

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0547

1 वि		2 ला	ट	3 सा	ह	4 ब		5 अ
6 लि	द्व	र		धु		र		प
य		स		7 वा	दा	क	र	ना
म		8 न	9 क	द		त		का
10 पो	त		छ्ह		11 रू		12 रो	म
र्ट		13 रु		14 अ	स	15 म		नि
16 र	वी	द्र	जे	न		हा		का
फी		ना		श		17 म	स्तु	ल
ल्ड		18 थ	का	न	हो	ना		ना

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 76

Alternatives for 'I'm sorry':

Instead of saying 'sorry' every time, we can use the following alternative expressions:

- I apologize for ...
- Please accept my sincere apologies for ...
- This isn't what I ...
- I didn't mean to...
- It's my fault.
- I shouldn't have ...
- I regret for...

Word /phrase of the week:

Panacea- (pronunciation- /ˌpænəˈsiːə/) a remedy for all ills or difficulties; something that will solve all problems

- Technology is not a panacea for all our problems.
- This rule will improve the lives of local traders, but it is no panacea.

Interesting Fact:

Origin of the word 'clue': Who knew that the word 'clue' derives from Greek mythology? It comes from the word 'clew', meaning a ball of yarn. In Greek mythology, Ariadne gives Theseus a ball of yarn to help him find his way out of the Minotaur's labyrinth. Because of this, the word 'clew' came to mean something that points the way. Appropriately enough, Theseus unraveled the yarn behind him as he went into the maze, so that he could work his way back out in reverse. Thus the word 'clew' can be understood in this context and in the context of a detective working his way backwards to solve a crime using 'clues'. The word gained its modern-day spelling in the 15th century.... -Oxford

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

क्या आप जानते हैं?

जादुई वर्ग का संसार हमेशा से लोगों को अपनी ओर आकृष्ट करता रहा है और शायद चीन के सम्राट यू को नदी किनारे मिले कछुए पर बनी जादुई वर्ग की आकृति ने अपनी ओर खींच लिया होगा। कहते है, राजा यू ने उस कछुए को ताउम्र अपने राजमहल में भाग्य का प्रतीक मानकर रखा। संभव है उस कछुए के ऊपर बनी गणितीय आकृति जिसे संख्या में बदलने से 3 × 3 का सबसे छोटा जादुई वर्ग बनने का सौभाग्य मिला जिसका योग 15 है। इसके बाद भारत में 4 × 4 जादुई वर्ग जिसे नासिक में पाया गया की बारी आई जिसका स्थिरांक 34 है। मजे की बात ये है की इस जादुई वर्ग को खजुराहो के पार्श्वनाथ जैन मन्दिर के प्रवेश द्वार पर देखा जा सकता है।

4	9	2
3	5	7
8	1	6

7	12	1	14
2	13	8	11
16	3	10	5
9	6	15	4

चलिए ये तो थे पूर्ण जादुई वर्ग, जिसमें पंक्ति, विकर्ण और स्तंभों पर लिखे संख्याओं का योग बराबर होता है फिर बारी आई ऐसे वर्ग की, जो कहने को तो जादुई वर्ग जैसा दिखते हैं परन्तु इनमें लिखी संख्याओं का योग हर बार बराबर नहीं होता और इन्हें किसी विशेष प्रयोजन से बनाया जाने लगा। अब चलिए बार्सिलोना जहां अन्तोनी गौदी द्वारा निर्मित सग्रादा फैमिलिया चर्च में बने जादुई वर्ग को देखते हैं। इस जादुई वर्ग में

1	14	14	4
11	7	6	9
8	10	10	5
13	2	3	15

संख्याओं की आवृति भी है और इनका योग 33 है जो प्रभु ईशा मसीह के 33 वर्ष के अल्पायु में शरीर त्यागने का प्रतीक मात्र है। इस जादुई वर्ग में सभी स्तंभों, विकर्ण और पंक्ति पर लिखी संख्या का योग 4 × 4 जादुई वर्ग के नियत स्थिरांक 34 के उलट 33 है। ऐसा ही एक मजेदार जादुई वर्ग है फ्रेंक्लिन जादुई वर्ग जिसे बेंजामिन फ्रेंक्लिन ने बनाया था। इस जादुई वर्ग (8 × 8) में पंक्ति और स्तंभों की संख्या का योग 260 आता है और साथ ही मुड़ी हुई पंक्ति पर स्थित संख्याओं का योग भी 260 आता है।

फ्रेंक्लिन कहते हैं - एक बार मुझे किसी वाद-विवाद में एक श्रोता के रूप में बैठने का मौका मिला और मैं बहस सुनकर थक सा गया था और फिर खाली समय का सदुपयोग मैंने इस जादुई वर्ग को बनाकर किया। ऐसे तो इन जादुई वर्ग के सिर्फ 5 अलग विशेषताओं से फ्रेंक्लिन आश्वस्त थे पर गणितज्ञों ने इस अजीब गुण वाले जादुई वर्ग के कई अन्य राज खोलने का काम किया। जैसे इस वर्ग के चारों कोणों पर स्थित संख्याओं और मध्यवर्ग में स्थित चारों संख्याओं का योग भी 260 होता है।

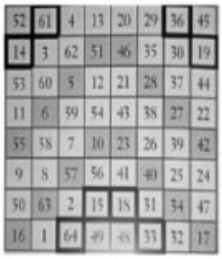

52	61	4	13	20	29	36	45
14	3	62	51	46	35	30	19
53	60	5	12	21	28	37	44
11	6	59	54	43	38	27	22
55	58	7	10	23	26	39	42
9	8	57	56	41	40	25	24
50	63	2	15	18	31	34	47
16	1	64	49	48	33	32	17

52 + 61 + 4 + 13 + 20 + 29 + 36 + 45 = 260

52 + 14 + 53 + 11 + 55 + 9 + 50 + 16 = 260

चारों कोणों पर स्थित संख्या व मध्य वर्ग का योग

52 + 45 + 16 + 17 + 54 + 43 + 10 + 23 = 260

मुड़ी पंक्ति पर स्थित संख्याओं का योग जिसे काले रंग से दिखाया गया है ।

61 + 14 + 36 + 19 + 64 + 15 + 18 + 33 = 260

भूरे रंग में मुड़ी पंक्तियों का योग

55 + 6 + 5 + 51 + 46 + 28 + 27 + 42 = 16 + 63 + 57 + 10 + 23 + 40 + 34 + 17 = 260

साथ ही किसी भी दो उप-वर्गों (2 × 2)का योग 130 पूर्ण वर्ग के स्थिरांक का आधा है।

– 4 + 13 + 62 + 51 = 130

लगभग 220 वर्ष के बाद लालभाई पटेल ने 1991 में फ्रेंक्लिन के जादुई वर्ग बनाने सम्बन्धी नियमों की खोज की पर यह नियम कुछ ज्यादा ही पेंचीदा था परन्तु लालभाई बड़ी सुगमता से ऐसे वर्ग बना सकते थे।

–डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

बिजनेस डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – उदय
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 10,000-13,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-2284
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

कॉपीराइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – सुपरडेली
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2285
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

डीप लर्निंग इंटर्नशिप
कंपनी – AI मोंक लैब्स टेक्नोलॉजी
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2286
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

प्रेजेंटेशन एंड रिसर्च इंटर्नशिप
कंपनी – वेंचर अफेयर
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2287
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी – विनयूआल
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 3,000-4000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2288
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी – SB कार्ट सॉफ्टेक OPC
कहां – लखनऊ
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2289
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

बिजनेस डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – इंडस वेबप्रो
कहां – लखनऊ
वेतन – 10,000-15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – https://bit.ly/AU-2290
आवेदन की अंतिम तिथि – 7 मार्च 2021

SCHOLARSHIP ALERT

आईआईटी रुड़की डिपार्टमेंट ऑफ कैमिस्ट्री पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप

विवरण :
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रुड़की का डिपार्टमेंट ऑफ कैमिस्ट्री, पीएचडी डिग्री धारकों से आईआईटी रुड़की केमिस्ट्री पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप 2021 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। फैलोशिप परियोजना के लिए है, जिसका शीर्षक है, "सम फ्रीक्वेंसी जनरेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके एक मॉडल सेल मेम्ब्रेन में पीएच लो इंसर्शन पेप्टाइड्स के कॉम्पलेक्स मैकेनिजम का परीक्षण"।
मानदंड : फैलोशिप उन उम्मीदवारों के लिए खुली है जो लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, मैटलैब और लैबव्यू के अनुभव के साथ फिजिकल कैमिस्ट्री / फिजिक्स में पीएचडी की डिग्री रखते हैं। उनके पास पूर्व-पोस्ट डॉक्टोरल अनुभव होना चाहिए। जिन उम्मीदवारों ने हाल ही में अपनी थीसिस जमा की है, वे भी पात्र हैं।
इनाम/लाभ : 60,000 रुपये प्रति माह और 50,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान
अंतिम तिथि :15 मार्च, 2021
आवेदन कैसे करें : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रुड़की, रुड़की - 247667 उत्तराखंड भारत, के प्रोफ़ेसर और हेड ऑफ़ केमिस्ट्री डिपार्टमेंट को ईमेल या पोस्ट द्वारा
आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/RDC6

FACT FILE

जानें कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल्स के बारे में

कुछ भ्रांतियां और समझ के अभाव में हम अपने बच्चों को कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल्स जैसे प्राकृतिक चिकित्सा वरदान से वंचित कर देते हैं। यदि हम कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल्स को जन्म के समय ही संरक्षित कर लें तो भविष्य में होने वाले 80 से ज्यादा रोगों के उपचार आसानी से संभव हो सकता है, जिनमें ब्लड कैंसर, स्वप्रतिरक्षित रोग और बोन मैरो के रोग शामिल हैं। यह बताते हुए निदेशक सी के बिड़ला अस्पताल गुड़गांव के प्रसुति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंजलि कुमार ने कहा मेडिकल दुनिया विभिन्न विशेषज्ञताओं में दुर्लभ रोगों के उपचार के लिये और अच्छे भविष्य के लिये स्टेम सेल ट्रांसप्लांट का प्रयोग करने के नये मार्ग बना रही है। पैरेन्ट्स अक्सर सेहतमंद लाइफस्टाइल से संबंधित विकल्पों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित होते हैं, हममें से अधिकांश लोग पोषण के उपभोग पर ध्यान देकर बच्चे को सर्वश्रेष्ठ देने के लिये सचेत होकर निर्णय करते हैं। डॉ अंजलि कुमार ने आगे कहा कि हालांकि, मातृत्व की यात्रा में केवल यही महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होते हैं। स्वस्थ जीवन,आहार में बदलाव के साथ, अपने बच्चे का सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने वाले उन्नत निर्णयों पर सोचना और गर्भवती महिलाओं के लिये कॉर्ड ब्लड के संरक्षण के कई लाभों पर विचार करना और उन्हें जानना महत्वपूर्ण है, जिससे बच्चे को भविष्य में फायदा होगा क़ॉर्ड ब्लड संरक्षण के क्षेत्र में लाइफ सेल सहित कई संस्थाएं हैं जो अपने आधुनिक लेब और टेक्नीशियन की सहायता से इस काम को पूरा कर सकते हैं।

द जे एन टाटा एंडोवमेंट लोन स्कॉलरशिप 2020-21

विवरण : टाटा ट्रस्ट उन भारतीय छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है जो भारत से बाहर(विदेश में) उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम चयनित भारतीय छात्रों को विदेशों में उनके अध्ययन के लिए 'गिफ्ट स्कॉलरशिप' और 'ट्रेवल ग्रांट्स'(यात्रा अनुदान) भी प्रदान करता है।
मानदंड : भारतीय छात्र जिन्होंने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है या भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में हैं, इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को उनकी अंतिम शैक्षणिक परीक्षाओं में न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए। भारत के बाहर शैक्षणिक संस्थानों में केवल पीजी/पीएचडी/पोस्टडॉक्टरल/रिसर्च कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले छात्र पात्र हैं। उम्मीदवारों की आयु 30 जून 2021 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
इनाम/लाभ :10 लाख रुपये तक की लोन स्कॉलरशिप प्राप्त होगी।
अंतिम तिथि : 08 मार्च, 2021
आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/JNT4

रॉल्स रॉयस उन्नति स्कॉलरशिप फॉर वुमन इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स

विवरण: रॉल्स रॉयस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा देश की छात्राओं को अंडरग्रेजुएट इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम्स की शिक्षा पूरी करने और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दी जा रही इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स के पहले/दूसरे/तीसरे वर्ष में पढ़ने वाली छात्राओं की मदद करना है।
मानदंड : इस स्कॉलरशिप के लिए केवल महिला छात्राएं आवेदन की पात्र हैं। यह स्कॉलरशिप इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स के पहले/दूसरे/तीसरे वर्ष में पढ़ने वाली छात्राओं को दी जाती है। आवेदकों को भारत में एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थान से ऐरोस्पेस, कंप्यूटर, इलेक्टॉनिक्स, मरीन जैसे विषयों के साथ इंजीनियरिंग डिग्री कर रही छात्राएं, जिन्होंने दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षा 60% से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
इनाम/लाभ : चयनित छात्राओं को 35,000 (प्रति छात्रा) रूपये की राशि प्राप्त होगी।
अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2021
आवेदन कैसे करें : ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/UNS2